संकलित परीक्षा–I (2011)

540038

हिन्दी 'ब'

कक्षा –X

समय 3 घण्टे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश :—

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

महर्षि अरविंद लिखते हैं - 'शिक्षा का कार्य आत्मा को विकसित करने में सहायता देना हैं।' अर्थात् शिक्षा से हमारा सम्पूर्ण व्यक्तित्व प्रभावित होता है। गांधीजी के अनुसार 'शिक्षा से मेरा अभिप्राय है बच्चे की सम्पूर्ण शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों का सर्वांगीण विकास । साक्षरता न तो शिक्षा का अंत है और न आरम्भ।' शिक्षा मनुष्य को मस्तिष्क और शरीर का उचित प्रयोग करना सिखाती है। वह शिक्षा जो मनुष्य को पाठ्य-पुस्तकों के अतिरिक्त कुछ गंभीर चिंतन न दे, व्यर्थ है। यदि हमारी शिक्षा सुसंस्कृत, सभ्य, सच्चरित्र एवं अच्छे नागरिक नहीं बना सकती तो उससे क्या लाभ? सहृदय, सच्चा परन्तु अनपढ़ मजदूर उस स्नातक से कहीं अच्छा है, जो निर्दयी और चरित्रहीन है। हमारे कुछ अधिकार एवं उत्तरदायित्व भी हैं । शिक्षित व्यक्ति को उत्तरदायित्वों का भी उतना ध्यान रखना चाहिए, जितना अधिकारों का ।

(i) शिक्षा मनुष्य को उचित प्रयोग सिखाती है-

(क) मस्तिष्क और शरीर का (ख) किताबों और कापियों का

(ग) भावनाओं और इच्छाओं का (घ) शब्दों और वाक्यों का

(ii) शिक्षा व्यर्थ है जो :

(क) देश भक्ति न सिखाए। (ख) गंभीर चिंतन न दे।

(ग) महँगी फीस देकर मिले। (घ) साक्षर न बनाए।

(iii) कैसी शिक्षा मनुष्यों के लिए लाभकारी है?

(क) जो समाज सेवी बनाए। (ख) जो राजनेता बनाए।

(ग) जो सुसंस्कृत बनाए। (घ) जो मनुष्य को गंभीर बनाए।

(iv) अनपढ़ मज़दूर पढ़े-लिखे स्नातक से अच्छा है, यदि वह :

(क) दयालु और चरित्रवान हो। (ख) ठाट-बाट से रहता हो।

(ग) सेवक और दानी हो। (घ) पढ़ने-लिखने लगे।

(v) शिक्षित व्यक्तियों को अधिकारों के अतिरिक्त और किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

(क) धन का (ख) पद का

(ग) कर्तव्य का (घ) उत्तरदायित्व का

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

समाज में सर्वाधिक साहस, सर्वाधिक ताकत यदि किसी के पास होती है तो वह युवा वर्ग के पास ही होती है। लेकिन ताकत सदैव अग्नि के समान होती है और अग्नि के विश्व में दो ही प्राकृतिक रूप विद्यमान हैं। एक रूप तो यह कि अग्नि जला सकती है और इस कदर जला सकती है कि सारे विश्व को राख के ढेर में बदल दे और दूसरा रूप यह है कि अग्नि प्रकाश द सकती है और इस कदर प्रकाशित कर सकती है कि सारे विश्व में अंधकार समाप्त कर दे। किन्तु मनुष्य एक बुद्धिमान प्राणी है जो अग्नि के इन दोनों रूपों का प्रयोग अपने हित के लिए करना जानता है। यदि रोटी को बिना तवे की सहायता से सेंका जाए तो रोटी सिंक नहीं पाएगी, बल्कि जल जाएगी। जिस प्रकार मनुष्य को रोटी बनाने के लिए तवे की जरूरत पड़ती है, उसी प्रकार ताकत का इस्तेमाल करने के लिए संयम की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार तवा रोटी को जलने से बचाता है, रोटी की पकने में मदद करता है, उसी प्रकार संयम ताकत का सही दिशा में प्रयोग करना सिखाता है। सृजन करने में मदद करता है। ताकत का आप जिस दिशा में प्रयोग करेंगे, यह उसी दिशा में रंग दिखाएगी। किन्तु इतना समझ लीजिए कि जिस प्रकार अग्नि को विनाशक बनाना आसान है, सृजनकर्त्ता बनाना कठिन है, उसी प्रकार ताकत के प्रयोग से विनाश करना आसान है लेकिन निर्माण करना अत्यंत मुश्किल ।

(क) समाज का सर्वाधिक साहसी और शक्तिशाली वर्ग किसे कहा गया है ?

(i) पुरुष वर्ग को (ii) किशोर वर्ग को

(iii) युवा वर्ग को (iv) धनी वर्ग को

(ख) अग्नि के रूप हैं -

(i) अग्नि सारे विश्व को राख के ढेर में बदल सकती है ।

(ii) अग्नि सारे विश्व के अंधकार समाप्त कर सकती है ।

(iii) अग्नि में ताकत छिपी होती है ।

(iv) अग्नि जला सकती है और प्रकाश दे सकती है ।

(ग) ताकत का सही इस्तेमाल करने के लिए आवश्यकता होती है -

(i) नियम की (ii) संयम की (iii) समय की (iv) मनुष्य की

(घ) ताकत के प्रयोग से आसान है -

(i) रोटी सेंकना (ii) साहस करना

(iii) निर्माण करना (iv) विनाश करना

(ङ) गद्यांश का शीर्षक होगा -

(i) ताकत का सही प्रयोग (ii) संयम

(iii) अग्नि (iv) साहस

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

भई सूरज जरा इस आदमी को जगाओ

भई पवन जरा इस आदमी को हिलाओ

यह आदमी जो सोया पड़ा है

जो सच से बेखबर

सपनों में खोया पड़ा है।

भई पंछी

इसके कानों पर चिल्लाओ ।

भई सूरज ! जरा इस आदमी को जगाओ !

वक्त पर जगाओ

नहीं तो जब बेवक्त जागेगा यह

तो जो आगे निकल गए हैं

उन्हें पाने, घबरा के भागेगा यह !

भागना अलग है

क्षिप्र गति अलग है

क्षिप्र तो वह ह

जो सही क्षण में सजग है

सूरज इसे जगाओ, पवन इसे हिलाओ

पंछी इसके कानों पर चिल्लाओ ।

(क) कवि किस से जागाने की गुहार नहीं कर रहा?

(i) सूरज (ii) चाँद (iii) पवन (iv) पंछी

(ख) 'सोया पड़ा आदमी _____ से बेखबर है। (सही शब्द से वाक्य पूरा करें)

(i) खुद (ii) घर - परिवार (iii) सच (iv) समाचार

(ग) बेवक्त जागने का क्या दुष्परिणाम होगा?

(i) व्यक्ति परेशान हो जाएगा । (ii) इधर उधर भागेगा

(iii) निराश हो जाएगा (iv) आगे जाने वालों को पाने क लिए भागेगा।

(घ) 'क्षिप्र गति' का क्या अर्थ है?

(i) तेज़ दौड़ना (ii) समय पर सोना

(iii) तुरन्त काम करना (iv) सही समय पर जागरूक रहना

(ङ) कवि मानव को क्यों जगाना चाहता है?

(i) सच से बेखबर रखने के लिए (ii) निराश रखने क लिए

(iii) जीवन को सार्थक व उन्नत बनाने के लिए (iv) आराम से काम करने के लिए

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

फैली खेतों में दूर तलक,

मखमल-सी कोमल हरियाली।

लिपटी जिससे रवि की किरणें

चाँदी की सी उजली जाली।।

रोमांचित–सी लगती वसुधा,

आई जौ–गेहूँ में बाली।

अरहर–सनई की सोने की

किंकिणियाँ हैं शोभाशाली।।

अब रजत स्वर्ण–मंजरियों से,

लद गई आम्र–तरु की डाली।

झर रहे ढाक, पीपल के दल,

हो उठी कोकिला मतवाली।

बगिया के छोटे पेड़ों पर

सुंदर लगते छोटे छाजन।

सुंदर गेहूँ की बालों पर

मोती के दानों से हिमकन।।

(क) वसुधा के रोमांचित–सी दिखाई पड़ने का क्या कारण है?

(i) सूरज का प्रकाश फैल गया है

(ii) चारों ओर सुगंध फैल गई है

(iii) चारों ओर हरियाली छा गई है

(iv) गेहूँ में बालियाँ आ गई हैं

(ख) गेहूँ की बालों पर पड़ी ओस की तुलना किससे की गई है?

(i) धूल के कणों से (ii) मक्का के दानों से

(iii) मोती के दानों से (iv) पानी की बूँदों से

(ग) कवि को कैसे पता लगा कि बसंत ऋतु आ गई है?

(i) खुशी का माहौल होने से (ii) कोयल की कूक से

(iii) हरियाली छा जाने से (iv) चारों तरफ धूप खिल आने से

(घ) कोकिला मतवाली क्यों हो रही है?

(i) आम के पेड़ मंजरियों से लद गए हैं (ii) गेहूँ में बालियाँ आ गई हैं

(iii) आम के पेड़ पत्तों से लद गए हैं (iv) दूर तलक हरियाली फैल गई है

(ङ) इस कविता में किसकी शोभा का वर्णन है?

(i) ग्रीष्म ऋतु (ii) शरद ऋतु

(iii) बसंत ऋतु (iv) शीत ऋतु

खंड-'ख'

5. (i) निम्नलिखित में से अविकारी शब्द है - **4**

(क) लड़का (ख) पुस्तक

(ग) चुपचाप (घ) पढ़ता है

(ii) एक छोटा लड़का घर जाता है। रेखांकित को कहेंगे -

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) पदबंध

(ग) पद (घ) शब्द

(iii) शीला झूठ बोल रही है। रेखांकित पदबंध का भेद है -

(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया विशेषण

(ग) विशेषण (घ) क्रिया

(iv) मित्र मण्डली के साथ सोहन घर पर बैठा है। रेखांकित पदबंध है -

(क) क्रिया विशेषण (ख) संज्ञा पदबंध

(ग) विशेषण (घ) क्रिया

6. (i) मुंशी प्रेमचन्द ने अनेक कहानियाँ लिखी । रेखांकित पद का परिचय है - **4**

(क) संज्ञा व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक ।

(ii) माँ भोजन पका रही हैं । रेखांकित पद का परिचय है –

(क) अकर्मक क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(ख) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(ग) अकर्मक क्रिया, पूर्वकालिक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

(iii) परिवार की शोभा वही बढ़ा सकता है, जो सबका चहेता हो । रचना के आधार पर वाक्य भेद हैं

(क) इच्छावाचक (ख) सरलवाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) संयुक्त वाक्य

(iv) आपका पत्र मिला । मैं चला आया । इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है –

(क) आपका पत्र मिला इसलिए मैं चला आया।

(ख) जब आपका पत्र मिला तब मैं चला आया ।

(ग) मुझे आपका पत्र मिला और मैं चला आया ।

(घ) आपका पत्र मिलते ही मैं चला आया ।

7. (i) 'वह बीमार था अत: कुछ बोल न पाया।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है – **4**

(क) मिश्र (ख) सरल (ग) संकेतवाचक (घ) संयुक्त

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है –

(क) परिश्रमी छात्र जीवन में सफल होते हैं।

(ख) छात्र परिश्रम करते हैं और जीवन में सफल होते हैं।

(ग) छात्र परिश्रम करते हैं वो जीवन में सफल होते हैं।

(घ) परिश्रम करने पर छात्र जीवन में सफल होते हैं।

(iii) 'चतुरानन का' संधि विच्छेद है –

(क) चतुर + आनन (ख) चतुरा + आनन

(ग) चतुर + ानन (घ) चतरा + अनन

(iv) 'श्रद्धा + आलु' की संधि है –

(क) श्राधालु (ख) श्राद्धधलू (ग) श्रद्धालु (घ) श्राद्धालु

8. (i) 'रजनीश' में स्वर संधि का कौन सा भेद है? **4**

(क) दीर्घ संधि (ख) गुण संधि

(ग) यण संधि (घ) वृद्धि संधि

(ii) 'देशभक्ति' समस्त पद का विग्रह है –

(क) देश और भक्ति (ख) देश के लिए भक्ति

(ग) देश की भक्ति (घ) देश में भक्ति

(iii) 'चरण रूपी कमल' का समस्त पद है –

(क) पूज्य चरण (ख) कमल–चरण

(ग) चरण–कमल (घ) कमलाचरण

(iv) निम्नलिखित में किस समस्त पद में तत्पुरुष समास है –

(क) लौहपुरुष (ख) देहलता

(ग) मनमयूर (घ) रसोई घर

9. (i) जैसे ही मीरा को पता चला कि उसे बोर्ड की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है तो उसकी ----------। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति किजिए :– **4**

(क) जितने मुँह उतनी बातें (ग) दूध का दूध पानी का पानी

(ख) खुशी का ठिकाना न रहना (घ) तन सुखी मन सुखी

(ii) श्रीकृष्ण के प्रेम में राधा अपनी ---------- बैठी। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :–

(क) होश उड़ना (ग) सिर फिर जाना

(ख) सुध–बुध खोना (घ) जिगर के टुकड़े होना

(iii) 'चेहरा मुरझाना' मुहावरे का अर्थ है–

(क) उदासी छा जाना (ग) चेहरा न दिखाना

(ख) चेहरा बिगड़ना (घ) चेहरा सामने आना

(iv) 'सिर पर नंगी तलवार' लोकोक्ति का अर्थ है–

(क) सिर के उपर नंगी तलवार पड़ी होना

(ख) मुसीबत प्रत्यक्ष दिखाई पड़ना

(ग) सिर पर तलवार लेकर चलना

(घ) सिर पर नंगी तलवार रखना

खंड-'ग'

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

गिरि का गौरव गाकर झर-झर

मद में नस-नस उत्तेजित कर

मोती की लड़ियों से सुंदर

झरते हैं झाग भरे निर्झर !

गिरिवर के उर से उठ-उठ कर

उच्चाकांक्षाओं से तरुवर

हैं झाँक रहे नीरव नभ पर

अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर।

(i) झर-झर झरते झरनों में कवि को सुनाई देता है -

(क) वृक्षों की महिमा का गान (ख) मनुष्य का गुणगान

(ग) पर्वतों का गौरव गान (घ) आकाश के विस्तार का गान

(ii) कवि ने मोती की लड़ियों का उल्लेख किया है -

(क) पर्वतों के सौंदर्य वर्णन हेतु (ख) झरनों के सौंदर्य वर्णन हेतु

(ग) प्रकृति के सौंदर्य वर्णन हेतु (घ) फ्लों के सौंदर्य वर्णन हेतु

(iii) वृक्षों की तुलना की गई है -

(क) पर्वत के हृदय से (ख) ऊँचे शिखरों से

(ग) नीरव नभ से (घ) ऊँची कामनाओं से

(iv) 'नीरव' कौन है?

(क) पर्वत (ख) नभ

(ग) निर्झर (घ) वृक्ष

(v) वृक्ष किस भाव से आसमान में ताक रहे हैं ?

(क) भय (ख) प्रसन्नता

(ग) निराशा (घ) चिंता

अथवा

ऐसी बाँणी बोलिये, मन का आपा खोइ।

अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ॥

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि।

ऐसे घटि घटि राँम है, दुनिया देखै नाँहिं॥

(i) उपरोक्त पद्यांश में महत्ता दर्शाई गई है -

(क) सुखों की (ख) आत्म-नियंत्रण की

(ग) मधुर वाणी की (घ) आत्म-सुख की

(ii) मन से अहंकार मिटने से -

(क) ईश्वर से मिलन होता है (ख) शांति प्राप्त होती है

(ग) मोक्ष प्राप्त होता है (घ) ज्ञान प्राप्त होता है

(iii) शांत और नम्र व्यक्ति के पास आने वाले लोग पाते हैं -

(क) दुख (ख) कष्ट

(ग) दब्बूपन (घ) आनंद

(iv) 'कस्तूरी' का वास होता है -

(क) पुष्प में (ख) वन में

(ग) मृग की नाभि में (घ) मन में

(v) कस्तूरी मृग व मनुष्यता में समानता है -

(क) बाहरी भटकाव (ख) आत्मकेंद्रित होना

(ग) व्याकुलता (घ) उद्देश्यहीनता

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। **2X2.5= 5**

(क) 'बंगाल के नाम या कलकत्ता के नाम पर कलंक था कि यहाँ काम नहीं हो रहा है, वह आज बहुत अंश में धुल गया।' स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'तँतारा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया ?

(ग) 'बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।' इस कथन

का क्या आशय है? तँतारा वामीरों कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए।

(घ) शैलेन्द्र के गीतों की क्या विशेषताएँ हैं ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए : **5**

'बड़े भाई साहब ' पाठ के आधार पर बड़े भाई पात्र के व्यक्तित्व की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

तताँरा के चरित्र -चित्रण करते हुए बताइए की वह सबका प्यारा क्यों था?

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

ठीक चार बजकर दस मिनट पर सुभाष बाबू जुलूस लेकर आए। उनको चौरंगी पर ही रोका गया, पर भीड़ की अधिकता के कारण पुलिस जुलूस को रोक नहीं सकी। मैदान के मोड़ पर पहुँचते ही पुलिस ने लाठियाँ चलानी शुरू कर दी, बहुत आदमी घायल हुए,

सुभाष बाबू पर भी लाठियाँ पड़ीं। सुभाष बाबू बहुत ज़ोरों से वन्दे मातरम् बोल रहे थे। ज्योतिर्मय गांगुली ने सुभाष बाबू से कहा, आप इधर आ जाइए। पर सुभाष बाबू ने कहा, आगे बढ़ना है। यह सब तो अपनी सुनी हुई लिख रहे हैं, पर सुभाष बाबू का और अपना विशेष फासला नहीं था। सुभाष बाबू बड़ी ज़ोर से वन्दे मातरम् बोलते थे, यह अपनी आँख से देखा। पुलिस भयानक रूप से लाठियाँ चला रही थी। क्षितीश चटर्जी का फटा हुआ सिर देखकर तथा उसका बहता हुआ खून देखकर आँख मिच जाती थी।

(क) पुलिस जुलूस को क्यों नहीं रोक सकी? **2**

(ख) पुलिस ने लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया? क्यों ? **2**

(ग) आँखें क्यों मिच जाती थीं? **1**

अथवा

शैलेन्द्र ने राजकपूर की भावनाओं को शब्द दिए हैं। राजकपूर ने अपने अनन्य सहयोगी की फिल्म में उतनी ही तन्मयता के साथ काम किया, किसी पारिश्रमिक की अपेक्षा किए बगैर। शैलेन्द्र ने लिखा था कि वे राजकपूर के पास 'तीसरी कसम' की कहानी सुनाने पहुँचे तो कहानी सुनकर उन्होंने बड़े उत्साहपूर्वक काम करना स्वीकार कर लिया। पर तुरंत गंभीरतापूर्वक बोले – ''मेरा पारिश्रमिक एडवांस देना होगा।'' शैलेन्द्र को ऐसी उम्मीद नहीं थी कि राजकपूर ज़िंदगी–भर की दोस्ती का ये बदला देंगे। शैलेन्द्र का मुरझाया हुआ चेहरा देखकर राजकपूर ने मुसकराते हुए कहा, 'निकालो एक रुपया, मेरा पारिश्रमिक !' पूरा एडवांस! शैलेंद्र राजकपूर की इस याराना मस्ती से परिचित तो थे, लेकिन एक निर्माता के रूप मे बड़े व्यावसायिक सूझबूझवाले भी चक्कर खा जाते हैं, फिर शैलेन्द्र तो फिल्म निर्माता बनने के लिए सर्वथा अयोग्य थे।

(क) शैलेन्द्र से 'तीसरी कसम' फिल्म की कहानी सुनने के बाद राजकपूर की क्या प्रतिक्रिया थी? **1**

(ख) शैलेन्द्र का चेहरा क्यों मुरझा गया? इससे क्या पता चलता है? **2**

(ग) फिल्म निर्माण क्षेत्र में शैलेन्द्र को सर्वथा अयोग्य क्यों कहा गया है ? **2**

14. (क) पावस ऋतु में प्रकृति में कौन - कौन से परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **2**

(ख) मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है ? अपने शब्दों में लिखिए। **2**

(ग) कविता से तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है ? **1**

15. ठाकुरबाड़ी से लौटकर हरिहर काका कहाँ रहने लगे ? अब उनका ख्याल कैसे रखा जाने लगा ? **3**

अथवा

एक दिन ऐसी क्या घटना घटी कि हरिहर काका की सहनशक्ति जवाब दे गई ? उनका गुस्सा किस पर

फूटा ?

16. "अपने भी पराये बन जाते हैं- संपत्ति के लिए" हरिहर काका कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए । 2

खंड-'घ'

17. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :** 5

(क) **बढ़ता आतंकवाद :**

- कारण
- परिणाम
- समाधान

(ख) **विज्ञान और मानव :**

- संबंध
- लाभ/हानियाँ
- सकारात्मक सोच

(ग) **यदि मैं प्रधानाचार्य बनूँ :**

- कर्तव्य
- मेरी वरीयताएँ
- मेरा योगदान

18. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए :** 5

किसी पुस्तक विक्रेता से अपने पुस्तकें मँगवाई, पर उसने पूरी पुस्तकें नहीं भेजीं, उसे शिकायती पत्र लिखिए।

अथवा

अपहरण और फिरौती के बढ़ते हुए कारोबार पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।